



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 426] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जुलाई 2, 1992/आषाढ़ 11, 1914

No. 426] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 2, 1992/ASADHA 11, 1914

इस भाग में दिल्ली प्रांत संलग्न वाली जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में
रक्ता आ सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विस्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर द्वारा

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1992

(प्राप्ति-कर)

का.प्रा. 492(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर द्वारा, आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 115 और धारा 295द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, आयकर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए नियमित विषय घोषित है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आयकर (सीधवांसंशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में घोषित की गयी हैं प्रत्येक होमि।

2. आयकर नियम 1962 के धारा 2 में उद्द धारा 4 के प्रत्यक्ष विद्युतिक्रिया प्रदत्त स्थिति किया जाएगा, जबकि:—

“इ.उ.—आधार 12ग के अधीन युवरा व्यापारियों जादि के तराहान के लिए सर्वतुरा प्रक्रिया के अधीन विधिः

118.उ. (1) धारा 115द के उद्द धारों के अधीन विधि जाने के लिए आयकर विषय प्रक्रिया 4क में होगा और उनमें उद्दिष्ट रूप से संलग्न किया जाएगा।

(2) प्रलैप दो प्रतियों में होगा और धारा 115द की उपशारा (3) के उद्दलों के अधीन कार के संवाय के लिए चालन के रूप में सी प्रयोग
में लाया जाएगा।”

10. धारा 80 ठ के अधीन कटौतियाँ : _____ रु.
लाभांश, बैंक निधेयों पर व्याज, अन्य विनिविष्ट निधेयों और प्रतिभूतियों
पर व्याज (5000 रु. से अधिक)
11. कारबार या व्यवसाय से भिन्न जीतों से गुद आय _____ रु.
(9 से 10 घटाहप)
12. संवेद्य कर (1400 रु. + धन (11) की रकम का 20 प्रतिशत _____ रु.

मैं घोषणा करता हूँ कि मद 6 में वर्णित कारबार या व्यवसाय से विस्तीर्ण वये के दोरान मेरी आय पैरीस हजार रुपया से अधिक नहीं है और ऊपर वर्णित कारबार या व्यवसाय से भिन्न जीतों से मेरी आय 5000 रु. से अधिक नहीं है।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि मेरे खुदरा व्यापार के कारबार से शावर्त पांच लाख रुपये से अधिक नहीं है (केवल खुदरा व्यापारियों को लाय)।

संवेद्यपन

मैं, घोषणा करता हूँ कि मद 6 में वर्णित कारबार या व्यवसाय से सही है।

मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि 1 अप्रैल, 1992 को या इसके पहले भारतम् होने वाले निर्धारण वर्ष के लिए प्राप्तकर के लिए मेरा निर्धारण नहीं हुआ है।

तारीख

लाभान

*टिप्पणः जो लाभ हो उस पर निशान लगाएँ।

करदाता के हस्ताक्षर

भारत/बैंक/इकाइ से तारीख
झारा (शब्दों में) रु. (अंकों में)
..... रुपए का संदाय
(बैंक का नाम) मी. शाखा
में किया गया।

संदाय करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर

प्राप्तकर्ता बैंक के प्रयोग के लिए
भूमाल प्राप्त किया
स्क्रीन में क्रम संचयाक
निविदान की तारीख
बैंक/इकाइ की राशि
बमूली की तारीख
रोकड़िया के हस्ताक्षर
बैंक की मोहरें"

[सं. 9050/फा.सं. 142/18/92-टीपीएल]

के. एम. सुलतान, निदेशक (टीपीएल)

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES
NOTIFICATION
New Delhi, the 2nd July, 1992
(INCOME-TAX)

S.O. 492(E).—In exercise of the powers conferred by section 115K and by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Fourteenth Amendment) Rules, 1992.
(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, after sub-Part E, the following shall be inserted, namely :—
“EE. Statement under the simplified procedure for taxation of retail traders etc. under Chapter XII-C.
11EE. (1) The statement which is required to be furnished under the provisions of section 115K shall be in Form No. 4A and be verified in the manner indicated therein.
(2) The form shall be in duplicate and shall also serve as a challan for the payment of tax under the provisions of sub-section (3) of section 115K.”

